Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP, Ludhiana, Shimla, Bihar, Jammu, Jaipur Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9815619715
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No. PBBIL/26/A0779

Sat - 30 May - 2026	Year - 01	Issue - 55	Page - 01	Rs. - 5	www.azadvaani.com

हीलिंग हॉस्पिटल ने रचा नया कीर्तिमान: 6,000 से अधिक एआई-आधारित रोबोटिक घुटना प्रक्रियाएं पूरी, लॉन्च किया

चंडीगढ़, 29 मई 2026: ऑर्थोपेडिक हेल्थकेयर के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए हीलिंग हॉस्पिटल, चंडीगढ़ ने 6,000 से अधिक एआई-आधारित रोबोलेंस एफटी-3डी घुटना रिसर्फेसिंग प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक पूरी कर ली हैं। इस उपलब्धि के साथ अस्पताल ने अत्याधुनिक और पूरी तरह स्वचालित रोबोटिक तकनीक पर आधारित नेक्स्ट-जेनरेशन 'रोबोटिक एफटी-3डी नी रिसर्फेसिंग प्रोग्राम' भी लॉन्च किया है, जो घुटने की सर्जरी में सटीकता और बेहतर परिणामों का नया मानक स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

हीलिंग हॉस्पिटल के मैनेजिंग पार्टनर दृशमीत सिंह बुट्टर ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का भविष्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और उन्नत डेटा एनालिटिक्स पर आधारित स्मार्ट तकनीकों में निहित है। उनका कहना है कि अस्पताल का उद्देश्य मरीजों को विश्वस्तरीय और आधुनिक उपचार उपलब्ध कराना है, जिससे बेहतर चिकित्सकीय परिणाम और मरीजों का विश्वास दोनों मजबूत हों।

अस्पताल के अनुसार, रोबोलेंस एफटी-3डी प्लेटफॉर्म एआई-संचालित सर्जिकल प्लानिंग को माइक्रोसॉफ्ट होलोलेंस आधारित ऑगमेंटेड रियलिटी तकनीक के साथ जोड़ता है। इससे सर्जन ऑपरेशन के दौरान मरीज के घुटने और जोड़ों की संरचना को वास्तविक समय में त्रिआयामी (3डी) रूप में देख और समझ सकते हैं, जिससे सर्जरी की सटीकता बढ़ जाती है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह तकनीक सटीक मैपिंग, इंटेलिजेंट जॉइंट बैलेंसिंग, सही इम्प्लांट पोजिशनिंग और न्यूनतम चीर-फाड़ वाली प्रक्रिया पर आधारित है। इसके कारण ऊतकों को कम नुकसान पहुंचता है, रक्तस्राव घटता है, मरीज जल्दी चलने-फिरने लगता है और पुनर्वास की प्रक्रिया भी तेज हो जाती है।

ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विशेषज्ञ डॉ. अजय एस. भाम्बरी ने कहा कि दुनिया भर में घुटने की सर्जरी एआई-संचालित योजना और रोबोटिक तकनीकों के कारण तेजी से बदल रही है। इन तकनीकों से सर्जिकल सटीकता बढ़ती है और मरीजों की रिकवरी पहले की तुलना में अधिक तेज होती है।

वहीं, वरिष्ठ कंसल्टेंट डॉ. निशांत सेतिया ने बताया कि हर मरीज की शारीरिक संरचना और जोड़ों की स्थिति अलग होती है, इसलिए व्यक्तिगत सर्जिकल योजना बेहद महत्वपूर्ण है। एआई और रोबोटिक विश्लेषण के संयोजन से प्रत्येक मरीज के लिए अनुकूलित उपचार योजना तैयार की जा सकती है, जिससे लंबे समय तक गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना बनी सहारा: ऑर्थोपेडिक इलाज पर 84 करोड़ रुपये खर्च, लाखों मरीजों को मिला कैशलेस उपचार

चंडीगढ़, 30 मई 2026: पंजाब में हड्डियों, जोड़ों और ट्रॉमा संबंधी बीमारियों के मामलों में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' के तहत अब तक ऑर्थोपेडिक उपचारों पर 84 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं, जिससे यह राज्य की प्रमुख स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल हो गया है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि योजना के अंतर्गत 45 लाख से अधिक पंजाबियों का पंजीकरण हो चुका है। घुटना प्रत्यारोपण, कूल्हे की सर्जरी और फ्रैक्चर फिक्सेशन जैसे उपचार बड़ी संख्या में कैशलेस सुविधा के तहत किए जा रहे हैं। लुधियाना और पटियाला में सबसे अधिक लाभार्थी दर्ज किए गए हैं।

बढ़ती उम्र की आबादी में जोड़ों के दर्द, गतिशीलता संबंधी समस्याओं और ट्रॉमा मामलों में वृद्धि के कारण ऑर्थोपेडिक सेवाओं की मांग बढ़ी है। महंगे इम्प्लांट्स और सर्जरी का खर्च अब योजना के तहत मरीजों के लिए आसान हो रहा है।

डेढ़ साल से बकाया अटकाने के आरोप में PSPCL का लेखाकार रिश्वत लेते गिरफ्तार

चंडीगढ़, 30 मई 2026: पंजाब में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस ब्यूरो ने पी.एस.पी.सी.एल. डिवीजन गुरदासपुर के प्रभारी लेखा शाखा के लेखाकार अमृतपाल सिंह को 15,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता के अनुसार यह कार्रवाई जिला गुरदासपुर के इस्लामाबाद निवासी एक शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता पी.एस.पी.सी.एल. से जूनियर इंजीनियर पद से सेवानिवृत्त हुआ था और उसके महंगाई भत्ते तथा वेतन निर्धारण से संबंधित बकाये लंबे समय से लंबित थे।

आरोप है कि लेखाकार अमृतपाल सिंह ने बकाया राशि जारी करने के बदले 15,000 रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी पिछले करीब डेढ़ वर्ष से उसे परेशान कर रहा था। उसने रिश्वत मांगने से संबंधित बातचीत रिकॉर्ड कर विजिलेंस ब्यूरो को सौंप दी।

पंजाब सरकार का ऐतिहासिक फैसला: 65 हजार से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमितीकरण का रास्ता, ठेकेदारी व्यवस्था होगी खत्म

चंडीगढ़, 30 मई 2026: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में पंजाब कैबिनेट ने राज्य के हजारों कर्मचारियों के हित में एक ऐतिहासिक और दूरगामी फैसला लेते हुए दशकों पुरानी ठेकेदारी आधारित रोजगार व्यवस्था को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट ने 65,000 से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित नौकरी का स्पष्ट मार्ग देने वाली नई नीति को मंजूरी दी है।

कैबिनेट ने पंजाब एडहॉक, कॉन्ट्रैक्चुअल, डेली वेज, टेम्परेरी, वर्कचार्ज्ड एवं आउटसोर्स कर्मचारियों के कल्याण अधिनियम-2016 को निरस्त करने और दो नए विधेयकों—'पंजाब स्टेट आउटसोर्स्ड पर्सोनल (ट्रांजिशन टू कॉन्ट्रैक्चुअल एंगेजमेंट) बिल, 2026' तथा 'पंजाब कॉन्ट्रैक्चुअल पर्सोनल (एब्जॉर्प्शन अगेंस्ट सैंक्शनड वैकेंसीज) बिल, 2026' को मंजूरी दी है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि अब कर्मचारियों और सरकार के बीच सीधा नियोक्ता-कर्मचारी संबंध स्थापित होगा तथा निजी ठेकेदारों की भूमिका पूरी

तरह समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य के लिए वर्षों तक सेवा देने वाले कर्मचारियों को अब सम्मान, सुरक्षा और स्थायी रोजगार की दिशा में स्पष्ट अवसर मिलेगा।

नई नीति के तहत ग्रुप-सी और ग्रुप-डी के वे आउटसोर्स कर्मचारी, जिन्होंने पांच वर्ष की निरंतर सेवा पूरी कर ली है, उन्हें सीधे सरकारी अनुबंध पर लाया जाएगा। इसके बाद 10 वर्ष की सेवा पूरी करने पर उन्हें स्वीकृत नियमित पदों पर समायोजित करने पर विचार किया जाएगा। जोखिमपूर्ण कार्यों में लगे कर्मचारियों जैसे फायर सर्विस कर्मी, पीएसपीसीएल लाइनमैन, सीवर एवं सफाई कर्मचारी और कचरा प्रबंधन कर्मियों को मात्र तीन वर्ष की सेवा के बाद ही इस लाभ के लिए पात्र माना जाएगा।

सरकार के अनुसार इस सुधार का लाभ 51 विभागों के 65,048 कर्मचारियों को मिलेगा, जिनमें बिजली, स्थानीय निकाय, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, कृषि, जेल, तकनीकी शिक्षा और लोक निर्माण विभाग सहित कई प्रमुख विभाग शामिल हैं। पहले चरण में 26,000 से अधिक कर्मचारी लाभान्वित होंगे।

कैबिनेट ने कर्मचारियों और पेंशनरों के लंबित महंगाई भत्ते (डीए), वेतन संशोधन, पेंशन एरियर तथा अवकाश नकदीकरण से जुड़े मामलों की समीक्षा के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा, मंत्री अमन अरोड़ा और डॉ. बलजीत कौर की समिति का पुनर्गठन भी किया है।

भ्रष्टाचार मामलों के त्वरित निपटारे के लिए कैबिनेट ने पंजाब में सात विशेष अदालतों की स्थापना को भी मंजूरी दी है।

हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को तैयार पंजाब, सीएम मान ने तैयारियों की समीक्षा की

चंडीगढ़, 30 मई 2026: पंजाब इस वर्ष प्रतिष्ठित हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करने जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने शनिवार को इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सितंबर से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेषज्ञों, खिलाड़ियों और अन्य हितधारकों को शामिल कर आयोजन समिति गठित करने तथा जालंधर और मोहाली में चल रहे कार्यों की निगरानी के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की उच्चस्तरीय समिति बनाने को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जालंधर और मोहाली के स्टेडियमों को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जाए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि खिलाड़ियों की सुरक्षा, आवास, परिवहन और अन्य सुविधाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।

मोहाली में बाइक चोरी गिरोह पर कार्रवाई, आरोपी गिरफ्तार, दो चोरी के मोटरसाइकिल बरामद

मोहाली के थाना बलौंगी में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह मामला शिकायतकर्ता बॉबी पुत्र नन्ने राम निवासी अंबेडकर कॉलोनी, बलौंगी की शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने जिशान अलवी पुत्र गुलफाम अलवी निवासी आदर्श कॉलोनी, मस्जिद वाली गली, बलौंगी को 27 मई 2026 को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया।

पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर दो चोरी के मोटरसाइकिल बरामद किए गए, जिनमें एक सिटी-100 (PB65AV3252) और एक हीरो स्प्लेंडर (CH01CN-6893) शामिल हैं। दोनों वाहनों के दस्तावेज उपलब्ध नहीं मिले। पुलिस ने आरोपी का दो दिन का रिमांड हासिल किया है। मामले की जांच जारी है और पुलिस को अन्य चोरी के वाहनों अथवा आरोपियों के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है।

Advertisement

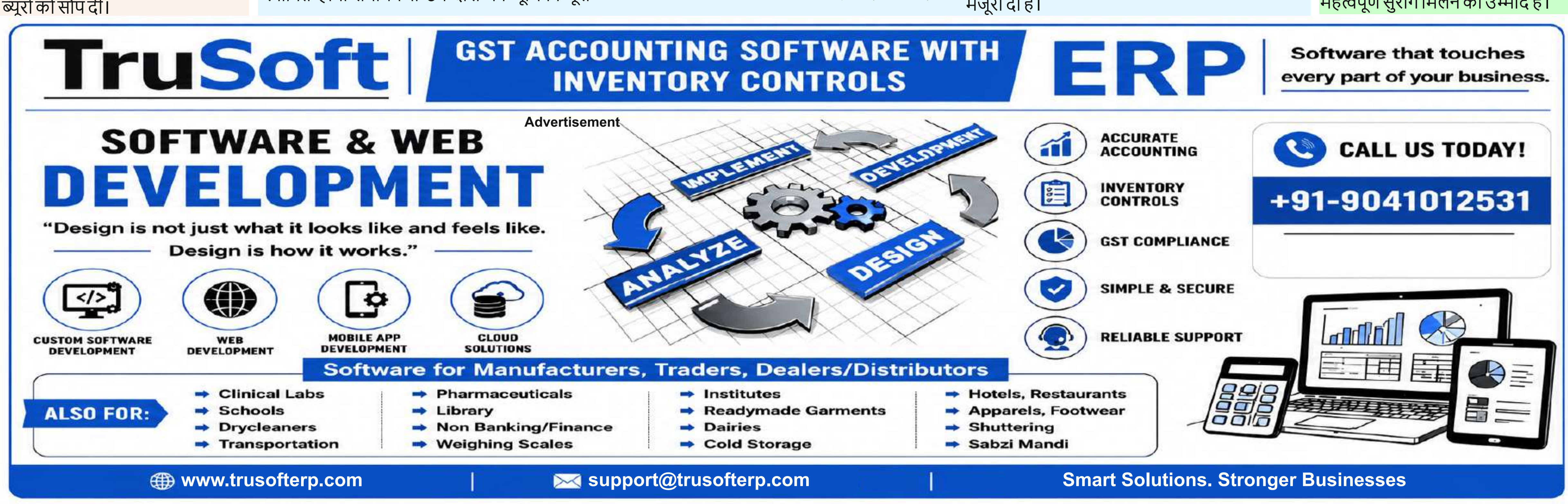

'सिखिया दा महा जश्न': पंजाब के 19,000 सरकारी स्कूलों में मेगा पीटीएम, शिक्षा में नंबर-1 बनने की खुशी मनाई गई

चंडीगढ़, 30 मई: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने राज्य के शिक्षा क्षेत्र में हासिल ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाते हुए शनिवार को 19,000 से अधिक सरकारी स्कूलों में एक साथ मेगा पेरेंट-टीचर मीटिंग (पीटीएम) का आयोजन किया। 'सिखिया दा महा जश्न' नामक इस विशेष कार्यक्रम ने पूरे पंजाब को सहभागितापूर्ण शिक्षा और अभिभावक-विद्यालय साझेदारी के उत्सव में बदल दिया।

शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि यह आयोजन नीति आयोग की स्कूल शिक्षा गुणवत्ता रिपोर्ट-2026 में पंजाब को देश में पहला स्थान मिलने के उपलक्ष्य में किया गया। इस रिपोर्ट में पंजाब ने आधारभूत शिक्षा के प्रमुख मानकों पर लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी माने जाने वाले केरल को भी पीछे छोड़ दिया है। यह उपलब्धि पंजाब की शिक्षा क्रांति और सरकारी स्कूलों में किए गए व्यापक सुधारों का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि इस सफलता में शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की समान भागीदारी रही है। इसी कारण राज्यभर में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। बोर्ड परीक्षाओं के टॉपर्स, इंग्लिश एज कार्यक्रम के सफल विद्यार्थियों और जेईई जैसी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों को भी विशेष प्रमाण-पत्र और सम्मान प्रदान किए गए।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि मेगा पीटीएम और अभिभावक कार्यशालाओं में 20 लाख से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया।

शहीद एएसआई जोगा सिंह को डीजीपी गौरव यादव की श्रद्धांजलि, परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा

चंडीगढ़/बटाला, 30 मई: पंजाब पुलिस के शहीद सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) जोगा सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव

यादव शनिवार को बटाला के गांव घनिए के बांगर स्थित उनके निवास पर पहुंचे। उन्होंने शहीद पुलिस अधिकारी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए आश्वासन दिया कि पंजाब पुलिस और पंजाब सरकार इस कठिन समय में परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी हैं।

इस अवसर पर डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि एएसआई जोगा सिंह ने अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनका साहस, निष्ठा और समर्पण पंजाब पुलिस की गौरवशाली परंपराओं का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जोगा सिंह जैसे बहादुर पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने जीवन तक की परवाह नहीं करते और उनका बलिदान सदैव सम्मान और गर्व के साथ याद रखा जाएगा।

डीजीपी ने कहा कि शहीद जोगा सिंह की शहादत केवल उनके परिवार की ही नहीं बल्कि पूरे पंजाब पुलिस परिवार की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस अपने प्रत्येक जवान के योगदान और बलिदान को सर्वोच्च सम्मान देती है तथा शहीद के परिवार की हर जरूरत का ध्यान रखा जाएगा।

गौरतलब है कि 54 वर्षीय एएसआई जोगा सिंह ने वर्ष 1989 में पंजाब पुलिस में कांस्टेबल के रूप में अपनी सेवा शुरू की थी। लगभग 37 वर्षों तक उन्होंने विभिन्न जिम्मेदारियों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन किया। वर्तमान में वे अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस के ट्रैफिक विंग में तैनात थे। 24 मई 2026 को ड्यूटी के दौरान उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनके निधन से पुलिस विभाग और स्थानीय समुदाय में शोक की लहर फैल गई थी।

शहीद अपने पीछे वृद्ध माता, पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री को छोड़ गए हैं। डीजीपी ने परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका दुख साझा किया और कहा कि पंजाब पुलिस उनके साथ हर कदम पर खड़ी रहेगी। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि उन्हें सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं और निर्धारित वित्तीय सहायता का पूरा लाभ दिलाया जाएगा।

डीजीपी गौरव यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि इस जघन्य अपराध के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच पूरी गंभीरता और पेशेवर तरीके से की जा रही है तथा अपराध में शामिल सभी लोगों को जल्द कानून के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहीद पुलिसकर्मी के बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार अपने सुरक्षा बलों के मनोबल को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों की सुरक्षा, कल्याण और सम्मान के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। शहीदों के परिवारों को आर्थिक सहायता, रोजगार संबंधी लाभ, पेंशन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

इस दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी शहीद जोगा सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। लोगों ने उनकी बहादुरी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे सेवाकाल में जनता की सुरक्षा।

गैंगस्टरों और नशा तस्करों पर पंजाब पुलिस का बड़ा शिकंजा: 513 ठिकानों पर छापे, 235 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 30 मई: पंजाब को अपराध और नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियानों के तहत पंजाब पुलिस ने शनिवार को राज्यभर में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए गैंगस्टरों के सहयोगियों और नशा तस्करों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। 'गैंगस्टरों ते वार' अभियान के 130वें दिन पुलिस टीमों ने पूरे प्रदेश में चिन्हित और मैप किए गए 513 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की, जिसके दौरान 235 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों के कब्जे से एक हथियार भी बरामद किया गया।

गौरतलब है कि 'गैंगस्टरों ते वार' अभियान की शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव की अगुवाई में की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य राज्य में सक्रिय गैंगस्टरों, उनके नेटवर्क और सहयोगियों पर निर्णायक प्रहार कर पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त बनाना है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें लगातार संयुक्त अभियान चला रही हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ताजा कार्रवाई के बाद अभियान शुरू होने से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 32,788 हो गई है। इसके अलावा 64 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 16 लोगों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया।

अमृतसर में शुरू हुई ऑटोमेटेड ई-चालान प्रणाली

चंडीगढ़/अमृतसर, 30 मई: पंजाब पुलिस की तकनीक आधारित और आधुनिक पुलिसिंग की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अमृतसर शहर में ऑटोमेटेड ई-चालान प्रणाली शुरू कर दी गई है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शनिवार को अमृतसर दौरे के दौरान इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इस पहल का उद्देश्य यातायात नियमों के प्रभावी पालन, पारदर्शिता बढ़ाने और सड़क सुरक्षा को मजबूत करना है। इसके साथ ही अमृतसर राज्य का चौथा शहर बन गया है, जहां यह आधुनिक व्यवस्था लागू की गई है। इससे पहले एसएएस नगर (मोहाली), जालंधर और लुधियाना में भी यह प्रणाली सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि ई-चालान प्रणाली के माध्यम से यातायात नियमों के उल्लंघन पर स्वचालित कार्रवाई सुनिश्चित होगी, जिससे मानव हस्तक्षेप कम होगा और पारदर्शिता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित पुलिसिंग के जरिए नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना पंजाब पुलिस की प्राथमिकता है।

हरित पंजाब की दिशा में बड़ा कदम: मानसून सीजन में हजारों हेक्टेयर में होगा पौधारोपण

चंडीगढ़, 30 मई: पंजाब को स्वच्छ, हरित और पर्यावरणीय रूप से समृद्ध बनाने के उद्देश्य से वन एवं वन्यजीव संरक्षण विभाग ने आगामी मानसून सीजन के लिए व्यापक पौधारोपण योजना तैयार की है। विभाग ने राज्य में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए विभिन्न योजनाओं के तहत बड़े स्तर पर वृक्षारोपण के लक्ष्य निर्धारित किए हैं।

विभाग के अनुसार, कैंपा (CAMPA) योजना के तहत 4,117.49 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधारोपण किया जाएगा।

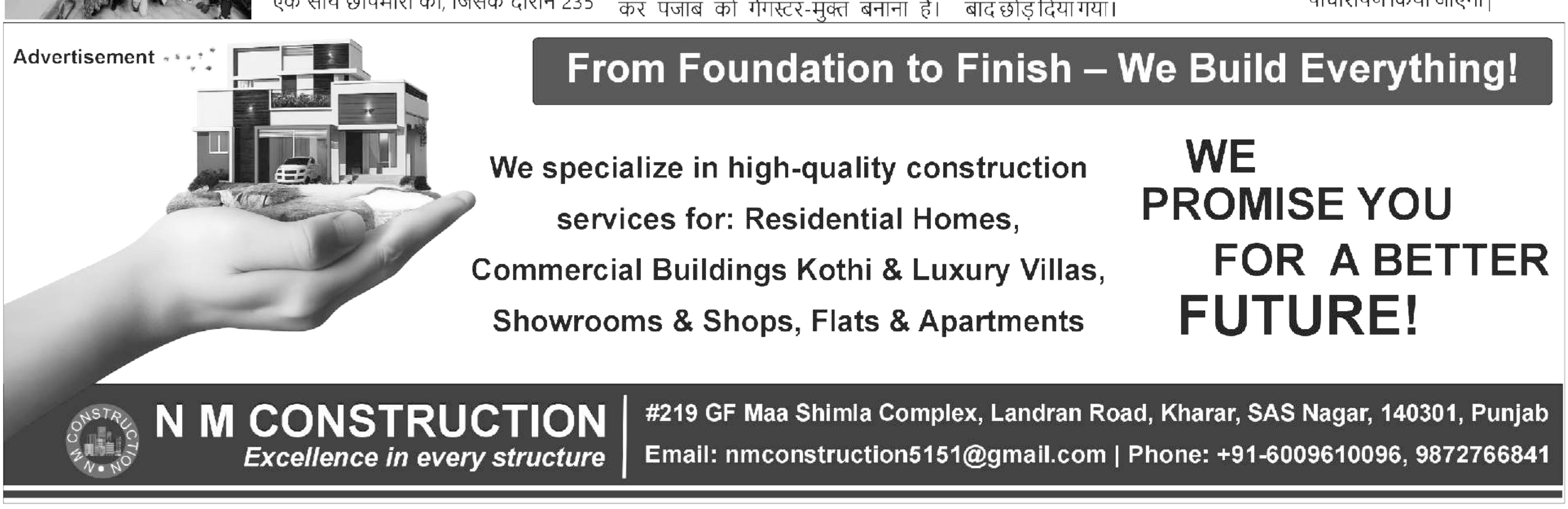

Printed by: Desh Sewak Printers Limited, Sector-29-D, Chandigarh – 160030 and Published by: Shafiur Rahman from #2111 SF, TDI City, Sector-110, Mohali, Sahibzada Ajit Singh Nagar, Punjab – 140307. Owner, Publisher & Chief Editor: Shafiur Rahman. Title Verification Number: PBBIL/26/A0779. Periodicity: Monthly.